RURAL Immersion Programme

गाँव से जुड़ाव कार्यक्रम समाचार पत्र | 2024

Volume 9 | Sunday, October 20, 2024 | Parivartan

October 20-25, 2024

पहला दिन, **20** अक्टूबर **2024**

गाँव से जुड़ाव कार्यक्रम के तहद दिल्ली पब्लिक स्कुल पटना से सुबह 7:00 बजे लगभग 159 बच्चों के साथ कुल 6 बस सिवान परिवर्तन के लिए रवाना हुयी | 5:30 घंटे के लम्बे अन्तराल के बाद सभी बस दोपहर 12:40 बजे परिवर्तन के मुख्य द्वार पर पहुँच चुकी थी | परिवर्तन टीम द्वारा भव्य रूप से टिका चन्दन एवं गाजे बाजे के साथ सभी शिक्षाओं एवं विद्यार्थियों का स्वागत किया गया | स्वागत उपरांत सभी लोग परिवर्तन परिसर के बीचोबीच बने सभागार में एकत्रित हुए जहाँ पर सभी का पंजीकरण हुआ | पंजीकरण उपरांत सभी बच्चे दो हिस्सों में बंटकर (लड़कियां परिवर्तन परिसर एवं लड़के संगत सम्मलेन केंद्र) अपनेअपने कमरे में आराम करने हेतु चले गए |

अल्प अवधी के विराम के बाद बच्चे सभागार में एकत्रित हुए | यहाँ इस पुरे कार्यक्रम का औपचारिक शुरुआत एवं इस कार्यक्रम सहित परिवर्तन द्वारा समुदाय विकास के लिए किये जा रहे प्रयासों से अवगत होना था | तय योजना अनुसार श्लोक एवं प्रार्थना से कार्यक्रम की शुरुआत की गयी | उसके बाद परिवर्तन कार्यक्रम समन्वयक द्वारा सभी का स्वागत करते हुए परिवर्तन के प्रयासों से सभी को अवगत करवाया गया | इस सत्र में आये तीन मेहमान प्रसिद्ध लेखक एवं लोक गायक सुखनंदन यादव जी, बलिया पंचायत की वार्ड नंबर 3 की वार्ड सदस्य मीरा देवी जी एवं परिवर्तन जनहितार्थ किसान उत्पाद क.ली. के कोषाध्यक्ष उमाशंकर सिंह जी द्वारा इस कार्यक्रम के तहद आये बच्चों को गाँव से जुड़ना क्यों जरुरी है इस विषय पर अपनी बात रखी गयी एवं परिवर्तन के प्रयासों को विस्तार से बताया गया | इसके बाद सभी बच्चों को अलग अलग 6 समूह में बांटकर सभी को पुरे परिसर का भ्रमण करवाया गया एवं सभी गतिविधियों के बारे में विस्तृत रूप से जानकारियां दी गयी |

शाम 06:30 बजे शाम के नाश्ते के बाद सभी बच्चें एवं शिक्षक अलग-अलग 6 समूह, शिक्षा, कृषि, सामुदायिक रंगमंच, सामुदायिक खेल, आजीविका एवं महिला सशक्तिकरण में विभक्त हुए | इस सत्र में परिवर्तन के लोकल वालंटियर्स एवं सभी बच्चों का आपसी परिचय हुआ तदोपरांत कल सुबह किस-किस गाँव में और कैसे-कैसे जाना है इसकी विस्तृत योजना बनायी गयी | कल सुबह के भ्रमण में जाने हेतु सभी बच्चों के सैकड़ों सवाल तैयार किये थे जिसपर उन्हें काम करना था उसपर भी चर्चा की गयी | कल की योजना पूरी हो जाने के बाद तय समय 07:30 बजे सभी बच्चें परिवर्तन के मुक्ताकाश मंच पर इकठ्ठा हुए | लगभग 1 घंटे तक देश की प्रसिद्ध कत्थक नृत्यांगना इलिशा दीप गर्ग जी की प्रस्तुतियों को बच्चों ने देखा | इस प्रस्तुति के बाद पूरी टीम रात्री भोजन की एवं सोने चले गए |

आज के दिन की समाप्ति यहीं हुयी |

For more information on Parivartan, do visit www.parivartanbihar.org